नराकास शिमला के सदस्य कार्यालयों में

राजभाषा संबंधी गतिविधियां

भारतीय गेहूँ एवं जौ अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केन्द्र, शिमला।

भारतीय गेहूँ एवं जौ अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केन्द्र में 28 सितंबर 2015 को हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह आयोजित किया गया। इस आयोजन में कार्यालय के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. एस सी. भारद्वाज, अध्यक्ष, क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा की गई एवं समारोह का संचालन डॉ. सत्यबीर सिंह, सीटीओ एवं सदस्य सचिव, राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने किया।

इस अवसर पर श्री रूपराम, निजी सहायक ने माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार, श्री राधा मोहन जी के हिन्दी चेतना मास, 2015 के संदर्भ में प्राप्त संदेश पढ़कर सुनाया। तत्पश्चात डॉ. हनीफ खान, वैज्ञानिक ने डॉ. एस. अय्यप्पन, सचिव एवं महानिदेशक, भारत सरकार, कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग एवं भारतीय कृषि एवं अनुसंधान परिशद, कृषि मंत्रालय, कृशि भवन, नई दिल्ली से प्राप्त हिन्दी दिवस, अपील–2015 को पढ़कर सुनाया।

समारोह के अंत में डॉ. एस.सी. भारद्वाज जी ने अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में गतवर्ष राजभाषा के क्षेत्र में किए गए कार्यालयी कार्यों, उपलब्धियों व अन्य प्रयासों पर विशेष चर्चा की। उन्होंने कहा हिन्दी पखवाड़े को सफल बनाने के लिए दिनांक 14 से 18 सितंबर 2015 तक केन्द्र के अधिकारियों व कर्मचारियों ने बढ़–चढ़ कर हिन्दी में कार्य किया और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, शिमला द्वारा आयोजित हिन्दी की विभिन्न प्रतियोगिताओं में भी भाग लिया। अध्यक्ष महोदय ने इन सभी कार्यों को अत्यधिक सराहा और सरल हिन्दी में अधिक से अधिक कार्य करने आवश्यकता पर बल दिया। समारोह का समापन डॉ. सत्यबीर के धन्यवाद प्रस्ताव से हुआ।

केन्द्रीय विद्यालय जतोग छावनी, शिमला (हि.प्र.)

केन्द्रीय विद्यालय जतोग छावनी, शिमला में हिन्दी माह का आयोजन 01 सितंबर 2015 से आरम्भ हुआ।

01 सितंबर 2015 को प्राचार्य श्री मोहित गुप्ता ने हिन्दी माह का विधिवत शुभारम्भ किया। विद्यालय राजभाषा समिति की प्रभारी डॉ. पंकज कपूर ने हिन्दी माह को मनाने के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए इस माह में आयोजित किये जाने वाले समस्त कार्यक्रमों, प्रतियोगिताओं, कार्यशाला और हिन्दी संगोष्ठी की जानकारी दी।

विविध सदनों द्वारा इस माह में समस्त कार्यक्रम हिन्दी में ही प्रस्तुत किए गए। प्रतिदिन प्रार्थना सभा में न केवल हिन्दी भाषा और राजभाषा हिन्दी से संबंधित लेख, कविताएं, पत्र वाचन तथा व्याख्यान प्रस्तुत किये गए बल्कि विज्ञान विषयों तथा पर्यावरण से संबंधित अनेक कार्यक्रम भी हिन्दी में ही आयोजित किए गए।

14 सितंबर को प्राचार्य श्री मोहित गुप्ता जी ने माँ वीणापाणी को पुष्पांजलि भेंट कर हिन्दी दिवस व पखवाड़े का शुभारम्भ किया तथा विद्यार्थियों को मोबाइल, कम्प्यूटर तथा सोशल मीडिया से संवाद साधते हुए देवनागरी लिपि का प्रयोग करने पर बल दिया।

15 सितंबर को साम्प्रदायिक सौहार्द व हिन्दी भाषा विषय पर नारा लेखन प्रतियोगिता करवाई गई। प्रत्येक कक्षा से उत्कृष्ट नारों को चयन किया गया तथा विजेता व उत्कृष्ट नारों को भित्ति पट्ट पर प्रदर्शित किया गया। प्राथमिक विभाग में इसी दौरान सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 16 सितम्बर को वरिष्ठ वर्ग के लिए अंतःसदन आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 18 सितम्बर को कनिष्ठ तथा वरिष्ठ वर्ग के लिए कविता पाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई। 19 सितम्बर 2015 को छठी कक्षा से

बाहरवीं कक्षा तक विद्यार्थियों के लिए कक्षानुरूप चित्र कहानी लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। वरिष्ठ वर्ग के लिए 21 सितम्बर 2015 को अंतःसदन प्रश्न–मंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रत्येक सदन से चार–चार प्रतिभागियों ने भाग लिया। 22 सितम्बर 2013 को समस्त कर्मचारियों तथा अध्यापकों के लिए प्रशासनिक शब्दावली, कार्यालयीय पत्र लेखन/टिप्पण लेखन तथा श्रुतलेख प्रतियोगिता आयोजित की गई। 23 सितम्बर 2015 को अंतःसदन कहानी कथन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रतिभागियों ने उन्हीं कवियों व कवयित्रियों की वेशभूषा को धारण किया था जिनकी कविताओं के माध्यम से श्रोताओं को खूब हंसाया। प्राथमिक विभाग में आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दोहा–चौपाई– कविता अंताक्षरी/अध्यापकों व कर्मचारियों हेतु स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता 26 सितम्बर 2015 को करवाई गई। 28 सितम्बर 2015 को हिन्दी पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अतिथि सेवानिवृत सदस्य, डाक सेवा बोर्ड व जाने–माने कवि श्री तेज राम शर्मा द्वारा पुरस्कृत किया गया। उन्होंने विद्यालय द्वारा राजभाषा हिन्दी में किए जा रहे शत–प्रतिशत पत्राचार व लेखा–बहियों में भी प्रविष्टियां हिन्दी में किए जाने के लिए विद्यालय के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। 30 सितम्बर 2015 को समस्त कर्मचारियों तथा अध्यापकों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, राष्ट्रपति निवास, शिमला

दिनांक 14 सितम्बर 2015 से संस्थान में हिन्दी दिवस, हिन्दी सप्ताह, हिन्दी पखवाड़ा, हिन्दी माह बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह समारोह संस्थान के सभी अध्येताओं, सह–अध्येताओं, अधिकारियों व कर्मचारियों की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। 14 सितम्बर 2015 को आयोजित समारोह में संस्थान के कार्यकारी सचिव श्री प्रेम चंद ने अपने प्रारम्भिक भाषण में हिन्दी के सतत् विकास पर प्रकाश डाला और वर्तमान में प्रशासकीय हिन्दी की दशा और दिशा पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि संस्थान में विगत वर्षों से राजभाषा हिन्दी के व्यावहारिक प्रयोग में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है। संस्थान राजभाषा हिन्दी के विकास हेतु नियमित रूप से राजभाषा कार्यान्वयन समिति की आंतरिक बैठकें, कार्यशालाएँ आयोजित करता आ रहा है।

विगत दो वर्षों से संस्थान के निदेशक प्रोफेसर चेतन सिंह के निर्देशन में राजभाषा के प्रचार एवं प्रसार हेतु गृह–पत्रिका 'हिमांजलि' पूरे कलेवर के साथ प्रकाशित हो रही है। इस पत्रिका में हिन्दी के साथ–साथ पहाड़ी (हिन्दी) भाषा को यथोचित मंच प्रदान किया जा रहा है।

संस्थान के अध्येता व जाने–माने रंगकर्मी प्रोफेसर महेश चंपक लाल ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में हिन्दी दिवस की शुभकामनाएं दी और कहा कि हिन्दी के विकास में रंगमंच ने तथा भारतीय रंगमंच के विकास में हिन्दी ने राष्ट्रभाषा के रूप में उत्कृष्ट भूमिका निभाई है। विभिन्न क्षेत्रों के रंगकर्म को समग्र राष्ट्र के परिप्रेक्ष्य में उजागर करने का एवं भारत की विविध भाषाओं के नाटकों को अनुवाद के माध्यम से भारतीय रंगमंच पर एक साथ लाने का श्रेय केवल हिन्दी भाषा को ही जाता है।

सह–अध्येता डॉ. लक्ष्मीकांत चंदेला ने हिन्दी को साम्प्रदायिक एकता की भाषा कहा है और कहा कि यह अपने प्रारंभ से ही साम्प्रदायिक सौहार्द के लिए प्रतिबद्ध रही है। डॉ. विनोद विश्वकर्मा ने कहा कि हिन्दी है तो हम हैं और हम हैं तो हिन्दी है। डॉ. अश्वनी कुमार ने हिन्दी को अभी भी उपेक्षित बताया और उन्होंने इसे समृद्ध बनाने की पहल पर बल दिया। डॉ. कमलेश सिंह नेगी ने कहा कि हिन्दी ने भारत के साथ पूरे विश्व को एकता के सूत्र में पिरोने का काम किया है। आज सम्पूर्ण विश्व में लगभग 1 अरब 10 करोड़ लोग हिन्दी बोलते और समझते हैं। डॉ. चमन लाल शर्मा ने हिन्दी के

राजनीतिकरण और उससे उत्पन्न दुदर्शा को रेखांकित किया। डॉ. पी.के. जैन ने कहा कि हिन्दी की छतरी के नीचे सभी भाषाओं को लाने की आवश्यकता है तभी हिन्दी अपने यथोचित स्थान को प्राप्त करेगी। डॉ. रमानाथ पाण्डे ने हिन्दी के अंतर्विरोधों की ओर इशारा किया। डॉ. दीपक ने हिन्दी के व्यावहारिक पक्ष को मजबूती से रखा और वर्तमान में उसकी प्रासंगिकता को उद्घाटित किया। संस्थान की आवासी चिकित्सा अधिकारी डॉ. मीनू अग्रवाल ने सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं उपस्थित सभासदों का आभार माना।

हिन्दी पखवाड़े का अगला सुनहरा चरण माह सितम्बर 2015 के अंतिम सप्ताह के दौरान सम्पन्न हुआ इसमें हिन्दी निबंध लेखन, हिन्दी सुलेख एवं श्रुतलेख, प्रश्न–मंच, शब्द ज्ञान व अनुवाद, चित्र–कहानी लेखन, हिन्दी की स्वरचित एवं ख्यात नाम कवियों की कविताओं का पाठ, हिन्दी वाद–विवाद ('स्वच्छता अभियान : एक कारगर मिशन' विषय पर) आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। संस्थान के अध्येताओं व सह–अध्येताओं ने सक्रिय सहभागिता कर उल्लेखनीय योगदान दिया।

प्रतियोगिताओं के विजेताओं तथा प्रतिभागियों को सम्मानित करने के लिए दिनांक 20.11.2015 को संस्थान के संगोष्ठी कक्ष में विशेष पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में संस्थान के निदेशक प्रोफेसर चेतन सिंह ने अपने कर कमलों द्वारा प्रतियोगिताओं के विजेताओं, प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

समारोह का शुभारंभ हिन्दी अनुवादक श्री राजेश कुमार के स्वागत भाषण से हुआ। तत्पश्चात संस्थान के अध्येता तथा प्रतियोगिता आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर अच्युतन ने अपने विशिष्ट अभिभाषण में प्रसन्नता प्रकट करते हुए कहा कि संस्थान में लगातार हिन्दी का प्रयोग बढ़ रहा है। इसके लिए संस्थान के पदाधिकारी तथा कर्मचारी बधाई के पात्र हैं।

संस्थान के निदेशक, प्रोफेसर चेतन सिंह ने संस्थान द्वारा राजभाषा के प्रचार–प्रसारार्थ हेतु प्रकाशित हिन्दी पत्रिका 'हिमांजलि' के 11वें अंक के विमोचन भी किया। उन्होंने कहा कि यह पत्रिका संस्थान के अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए अपने विचार प्रकट करने का अच्छा मंच है और संपादक मण्डल का आह्वान किया कि आगामी अंक हेतु और संभावनाएं तलाशी जाएँ ताकि हिमांजलि, प्रकाशन जगत में एक मानक पत्रिका का रूप ग्रहण कर सके। उन्होंने प्रतियोगिताओं के विजेताओं और प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं भी दीं।

प्रसार भारती, आकाशवाणी शिमला

आकाशवाणी, शिमला में हिन्दी पखवाड़ा दिनांक 14 सितम्बर से 30 सितम्बर 2015 तक मनाया गया जिसे हिन्दी उत्सव का नाम दिया गया। पखवाड़े से पूर्व 7 सितम्बर तथा 13 सितम्बर 2015 को क्रमशः हिन्दी की सार्थकता तथा वैश्विक परिदृश्य में हिन्दी की स्थिति विषय पर एक वार्ता व परिचर्चा का प्रसारण किया गया। हिन्दी पखवाड़े के दौरान कुल चार प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं जिनमें श्रुतलेख प्रतियोगिता विशेष रूप से बहुद्देशीय कर्मचारी वर्ग के लिए रखी गई। सभी प्रतियोगिताओं में अधिकारियों/कर्मचारियों ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया। हिन्दी पखवाड़े के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में सभी विजेताओं को महानिदेशालय द्वारा निर्धारित नकद राशि एवं प्रशस्ति प्रमाण पत्रों से सम्मानित किया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर दूरदर्शन के उपमहानिदेशक श्री ओम गौरी दत्त शर्मा को आमंत्रित किया गया था।

भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल, तारादेवी, शिमला

तैंतालीस वाहिनी, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल में हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया। पखवाड़े के दौरान राजभाषा के प्रचार–प्रसार हेतु हिन्दी की विभिन्न प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया। 14 सितम्बर, 2015 को हिन्दी दिवस समारोह बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम,

द्वितीय तथा तृतीय स्थान पर आने वाले प्रतिभागियों को नकद राशि देकर सम्मानित किया गया। समारोह में राजभाषा अधिकारी द्वारा महानिदेशक महोदय द्वारा जारी की गई अपील को पढ़कर सुनाया गया तथा महानिदेशालय द्वारा जारी निर्देशों की जानकारी भी दी गई।

सेनानी महोदय ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपना सरकारी कामकाज अनिवार्यतः हिन्दी में ही करने की अपील की और कहा कि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम 2015–16 में निर्धारित सभी लक्ष्यों को शत–प्रतिशत पूर्ण किया जाए। वाहनी के महत्त्वपूर्ण स्थानों पर हिन्दी में कामकाज को बढ़ाने एवं प्रचार–प्रसार करने के लिए विद्वानों के क़थन संबंधी पोस्टर एवं बैनर आदि भी लगाए गए।

राष्ट्रीय सूचना–विज्ञान केन्द्र, हिमाचल प्रदेश

राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए दिनांक 14 दिसंबर 2015 को कार्यालय की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें समिति के

सभी सदस्यों ने भाग लिया और एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश एवं समस्त अधीनस्थ कार्यालयों में हिन्दी के प्रयोग की समीक्षा की गई। उसी दिन एक हिन्दी कार्यशाला/संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के दौरान अपने अनुभागों एवं कार्यक्षेत्रों में हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए चर्चा की गई। इस अवसर पर जिला केन्द्रों एवं अन्य कार्यालयों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया। संगोष्ठी के दौरान श्री अजय सिंह चैहल, वरिष्ठ तकनीकी निदेशक एवं राज्य सूचना–विज्ञान अधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों से राजभाषा विभाग द्वारा जारी दिशा–निर्देशों का पालन करने की अपील की।

मुख्यालय दीपक परियोजना

मुख्यालय दीपक परियोजना में हिंदी दिवस/ पखवाड़े का आयोजन किया गया। हिंदी पखवाड़े के दौरान हिंदी टिप्पण पत्र एवं सामान्य ज्ञान (हिंदी तथा हिंदीत्र भाषी कर्मचारियों के लिए अलग–अलग, हिंदी कम्प्यूटर टाइपिंग तथा हिंदी भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। 14 सितम्बर 2015 को प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अभियंता के कर कमलों द्वारा पुरस्कार तथा प्रमाण पत्र वितरित किए गए। हिंदी दिवस के अवसर पर मुख्य अभियंता ने उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्यालयीन कार्यों में राष्ट्रभाषा हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग हेतु प्रेरित किया।

केन्द्रीय तिब्बती विद्यालय, शिमला

हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी केन्द्रीय तिब्बती विद्यालय में 1 सितम्बर से 15 सितम्बर 2015 तक हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया। हिन्दी पखवाड़े के दौरान प्रातःकालीन सभा में एक हिन्दी विचार श्रृंखला का आयोजन किया गया जिसकी प्रथम कड़ी में विद्यालय के प्राचार्य श्री विनोद कुमार सिंह ने अपने विचार व्यक्त किये। इस श्रृंखला में विद्यालय के रेक्टर श्री करमा सांगे, गैर हिन्दी भाषी शिक्षक श्री फूंसोग सेरिंग, श्री आनन्द, श्रीमती चन्दना बनिया, श्रीमती सेरिंग छोड़न एवं श्री घुप्तेन जंपा ने भाग लिया।

इस पखवाड़े के दौरान छठी कक्षा से आठवीं कक्षा तक तथा नौवीं से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए अलग–अलग विषयों पर निबंध प्रतियोगिताएं करवाई गई। 14

सितम्बर 2015 को 'हिन्दी दिवस' के उपलक्ष पर एक अंतरसदनीय कविता पाठ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें बारहवीं कक्षा की कुमारी रुचिका शर्मा ने प्रथम, कुमारी अंकिता जोशी ने द्वितीय तथा दसवीं कक्षा की छात्रा कुमारी नैनसी गुप्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों श्री हरेन्द्र कुमार सिंह और श्री गुप्तेश्वर नाथ उपाध्याय ने भी अपनी स्वरचित कविताओं का पाठ किया। साथ ही इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री विनोद कुमार सिंह ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में प्राचार्य श्री विनोद कुमार सिंह ने राजभाषा हिन्दी के महत्व पर प्रकाश डाला और उपस्थित अध्यापकों, कर्मचारियों तथा छात्रों को हिन्दी दिवस की बधाई दी।

भारत सरकार मुद्राणालय, शिमला

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी भारत सरकार मुद्रणालय में दिनांक 14.09.2015 से 28.09.2015 तक हिन्दी पखवाड़ा 2015 का आयोजन किया गया। हिन्दी पखवाड़े के समापन पर पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया जिस में पुरस्कार विजेताओं को कार्यालय की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष श्री अनुपम सक्सेना ने नकद पुरस्कार प्रदान किए तथा सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से राजभाषा हिन्दी के भरपूर प्रयोग तथा प्रचार–प्रसार का आग्रह किया।

मुख्य आयकर आयुक्त कार्यालय, शिमला

शिमला स्थित आयकर कार्यालयों में 1 से 15 सितम्बर, 2015 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। इस कार्य अवधि में हिन्दी की तीन प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। प्रत्येक प्रतियोगिता के विजेताओं को क्रमशः 5000/–, 3000/–, 2000/– एवं 1000/– रुपये के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार दिए गए। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य आयकर आयुक्त श्री राजेन्द्र कुमार जी ने कर्मचारियों से अपना अधिक से अधिक कार्य हिन्दी में करने की अपील की।

गिरीश शंकर, आई.ए.एस.
सचिव

भारत सरकार
राजभाषा विभाग
गृह मंत्रालय
तृतीय तल, एन.डी.सी.सी.-II भवन
जय सिंह रोड, नई दिल्ली-110001

फाइल सं.14011/02/2011-रा.भा. (नीति)

26 फरवरी, 2016

विषय: सरकारी कामकाज में सुगम, सरल और सहज हिंदी का प्रयोग

प्रिय महोदय/महोदया,

आपको ज्ञात है कि संघ की राजभाषा हिंदी है। सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग और प्रचलन विगत दशकों में नि:संदेह बढ़ा है, किंतु हिंदी का पूर्णत: प्रयोग अभी भी नहीं हो रहा है। चूंकि संघ सरकार की राजभाषा हिंदी है अत: यह हमारा संवैधानिक दायित्व है कि हम अपने कामकाज में हिंदी का प्रयोग सुनिश्चित करें।

2. राजभाषा हिंदी के प्रयोग के मामले में जो बात बार-बार चर्चा का विषय बनती है, वह है सरल हिंदी का प्रयोग। आम बोलचाल की हिंदी के शब्दों को कार्यालयों के कामकाज में प्रयोग में लाया जाना चाहिए। हिंदी के सरल, सहज एवं सुस्पष्ट शब्दों का प्रयोग करके छोटे-छोटे वाक्यों का प्रयोग टिप्पणी लेखन एवं पत्राचार के लिए किए जाने से हिंदी के प्रति सबकी रुचि बढ़ेगी। सरकारी कामकाज में हिंदी सिर्फ अनुवाद की भाषा बनकर न रह जाए, इसलिए आवश्यक है कि मंत्रालयों/विभागों में उच्चतम स्तर पर सरल हिंदी का प्रयोग किया जाए, जिससे अनुभाग/प्रभाग स्वत: अपने कामकाज में मूल रूप से सहज हिंदी का प्रयोग करेंगे।

3. देश की सामासिक संस्कृति का प्रतिनिधित्व करने के लिए हिंदी के विकास हेतु सरकार ने अनेक संस्थाएं बनाई हैं, जिनमें केंद्रीय हिंदी निदेशालय, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, विधायी विभाग आदि प्रमुख हैं। इनके माध्यम से सरकार ने प्रशिक्षण सामग्री तैयार कराने और प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की है। सभी विषयों पर शब्दावली का निर्माण किया गया है तथा संहिताओं और नियम पुस्तकों का हिंदी अनुवाद सुलभ कराया गया है। इन संस्थाओं से भी यह आग्रह है कि आवश्यकतानुसार शब्दावली, अनुवाद और प्रशिक्षण आदि में हिंदी के सरल, सहज और सुगम शब्दों और रूप को प्राथमिकता दें।

4. सरकार के अधीन काम करते हुए सभी अधिकारियों/कर्मचारियों का दायित्व है कि सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई सुविधाओं का लाभ लेते हुए हिंदी की सरलता, सुगमता, सहजता और एकरूपता पर विशेष ध्यान देते हुए हिंदी में कार्य करें और आम बोलचाल की भाषा में मूल रूप से टिप्पणी एवं मसौदा लेखन को प्रोत्साहित करें।

5. अत: अनुरोध है कि सरकारी कामकाज में संघ की राजभाषा हिंदी का प्रयोग सुनिश्चित करते हुए इसके सरल, सहज और सुगम रूप पर विशेष ध्यान देने का कष्ट करें।

शुभकामनाओं के साथ,

आपका

(गिरीश शंकर)

नराकास (कार्यालय), शिमला द्वारा

कार्यालयध्यक्षों को पुरस्कार

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, शिमला द्वारा प्रतिवर्ष उन कार्यालयध्यक्षों को पुरस्कार दिए जाते हैं जिनके कार्यालयों में वर्ष के दौरान राजभाषा का प्रयोग बढ़ाने के लिए सराहनीय प्रयास किए गए हों। वर्ष 2014–15 के लिए निम्नलिखित कार्यालयों को पुरस्कार प्रदान किए जा रहे हैं :–

बड़े कार्यालय

(25 से अधिक कर्मचारी)

क्रमांक	कार्यालय का नाम	स्थान
1.	कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, शिमला	प्रथम
2.	चीफ पोस्ट मास्टर जनरल, शिमला	द्वितीय
3.	प्रधान महालेखाकार (ऑडिट), शिमला	द्वितीय
4.	उप–कमांडैंट केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, शिमला	तृतीय
5.	दूरदर्शन केंद्र, शिमला	प्रोत्साहन

छोटे कार्यालय

(25 से कम कर्मचारी)

क्रमांक	कार्यालय का नाम	स्थान
1.	प्रधान आयकर आयुक्त, शिमला	प्रथम
2.	भारत सरकार मुद्रणालय, शिमला	द्वितीय
3.	राष्ट्रीय लेखा एवं लेखा परीक्षा अकादमी, शिमला	द्वितीय
4.	निदेशक, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम, शिमला	तृतीय
5.	क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय वन सर्वेक्षण, शिमला	प्रोत्साहन

सोच-विचार करने में समय लगाएं, लेकिन जब काम का समय आए, तो सोचना बंद करें और आगे बढ़ें।

–नेपोलियन बोनापार्ट

नराकास शिमला द्वारा सितंबर, 2015 में आयोजित

विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम

हिंदी नोटिंग एवं ड्राफ्टिंग प्रतियोगिता
आयोजक : मुख्य आयकर आयुक्त कार्यालय, शिमला

क्र.सं.	प्रतिभागी का नाम सर्वश्री / सुश्री	स्थान	कार्यालय का नाम
1.	सुश्री पूनम सूद	प्रथम	केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान
2.	श्री पराग कुलश्रेष्ठ	द्वितीय	प्रधान आयकर आयुक्त कार्यालय
3.	श्री ओंकार नाथ मिश्र	तृतीय	श्रम ब्यूरो
4.	श्री कन्हैया कुमार	तृतीय	कर्मचारी भविष्य निधि संगठन
5.	श्री रामनुज कुमार	प्रोत्साहन	दीपक परियोजना
6.	श्री बलिस्टर सिंह	प्रोत्साहन	प्रधान आयकर आयुक्त कार्यालय
7.	श्री नीरज कुमार सिन्हा	प्रोत्साहन	मुख्य आयकर आयुक्त, कार्यालय
8.	श्री रमेश बी	प्रोत्साहन	भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान

वाद-विवाद प्रतियोगिता
आयोजक : प्रधान आयकर आयुक्त कार्यालय, शिमला

क्र.सं.	प्रतिभागी का नाम सर्वश्री / सुश्री	स्थान	कार्यालय का नाम
1.	श्री धीरज शर्मा	प्रथम	अधिशासी अधिकारी, छावनी परिषद, जतोग
2.	सुश्री प्रतिभा	द्वितीय	प्र. रा. प्रा. अ.सं., फागली, शिमला
3.	सुश्री पूनम वर्मा	तृतीय	उप डाकघर समरहिल, शिमला
4.	सुश्री अर्पणा रे	प्रोत्साहन	केन्द्रीय विद्यालय, जतोग छावनी
5.	सुश्री नीलू शर्मा	प्रोत्साहन	केन्द्रीय विद्यालय, जतोग छावनी
6.	श्री बलिस्टर सिंह	प्रोत्साहन	प्रधान आयकर आयुक्त कार्यालय, शिमला
7.	श्री ओंकार नाथ मिश्र	प्रोत्साहन	श्रम ब्यूरो, शिमला

सभी शक्ति तुम्हारे भीतर है, आप कुछ भी और सब कुछ कर सकते हैं। -
स्वामी विवेकानन्द

प्रश्न मंच प्रतियोगिता
आयोजक : आकाशवाणी शिमला

क्र.सं.	प्रतिभागी का नाम सर्वश्री / सुश्री	स्थान	कार्यालय का नाम
1.	श्री लक्ष्मीकांत व ओंकारनाथ मिश्र	प्रथम	श्रम ब्यूरो, शिमला
2.	श्री धर्मेन्द्र कुमार व प्रशात कुमार	द्वितीय	प्रधान महालेखाकार (लेखा परीक्षा) शिमला
3.	श्री प्रवीण कुमार व श्याम सुन्दर	तृतीय	वन अनुसंधान संस्थान, शिमला
4.	श्री राजेश कुमार व अरुण कुमार	तृतीय	इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, शिमला
5.	श्री हीरा नन्द शर्मा व चन्द्र मोहन बिष्ट	प्रोत्साहन	केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला

स्मरण शक्ति प्रतियोगिता
आयोजक : पासपोर्ट कार्यालय, शिमला

क्र.सं.	प्रतिभागी का नाम सर्वश्री / सुश्री	स्थान	कार्यालय का नाम
1.	श्री कुमार विशाल बाजीवान	प्रथम	श्रम ब्यूरो, शिमला
2.	श्री लक्ष्मीकांत	द्वितीय	श्रम ब्यूरो, शिमला
3.	श्री संजीव कुमार	तृतीय	केन्द्रीय न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला, शिमला
4.	श्री राजेन्द्र सिंह राणा	प्रोत्साहन	केन्द्रीय न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला, शिमला
5.	श्री बलिस्टर सिंह	प्रोत्साहन	प्रधान आयकर आयुक्त कार्यालय, शिमला

आशु भाषण प्रतियोगिता
आयोजक : केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला

क्र.सं.	प्रतिभागी का नाम सर्वश्री / सुश्री	स्थान	कार्यालय का नाम
1.	श्री ओंकार नाथ मिश्र	प्रथम	श्रम ब्यूरो, शिमला
2.	सुश्री सरिता देवी	द्वितीय	केंद्रीय विद्यालय, जतोग छावनी
3.	सुश्री पूनम वर्मा	द्वितीय	उप डाकघर, समरहिल, शिमला
4.	सुश्री पूजा कुमारी	तृतीय	केंद्रीय विद्यालय, जतोग छावनी
5.	श्री चन्दा राम	तृतीय	केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला

इंसान तब समझदार नहीं होता जब वो बड़ी-बड़ी बातें करने लगे,
बल्कि समझदार तब होता है जब वो छोटी-छोटी बातें समझने लगे।

नारा लेखन प्रतियोगिता
आयोजक : केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला

क्र.सं.	प्रतिभागी का नाम सर्वश्री / सुश्री	स्थान	कार्यालय का नाम
1.	सुश्री अपर्णा रे	प्रथम	केंद्रीय विद्यालय, जतोग छावनी
2.	सुश्री मृदुला सूद	द्वितीय	महालेखाकार कार्यालय, शिमला
3.	श्री देवराज	तृतीय	केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला
4.	श्री तरविन्दर कोछड	प्रोत्साहन	केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला
5.	सुश्री नीलू शर्मा	प्रोत्साहन	केन्द्रीय विद्यालय जतोग छावनी

चित्र लेखन प्रतियोगिता
आयोजक : भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग, शिमला

क्र.सं.	प्रतिभागी का नाम सर्वश्री / सुश्री	स्थान	कार्यालय का नाम
1.	श्री प्रवीण कुमार	प्रथम	हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान
2.	सुश्री अदितिका ठाकुर	द्वितीय	महालेखाकार (लेखा व हकदारी) कार्यालय
3.	श्री भगत राम शर्मा	तृतीय	जनगणना कार्य निदेशालय, शिमला
4.	श्री प्रेम सागर	तृतीय	भारत तिब्बत सीमा पुलिस, तारादेवी शिमला
5.	श्री हेमन्त कुमार	प्रोत्साहन	भारतीय वन सर्वेक्षण, शिमला
6.	सुश्री अर्चना नाहर	प्रोत्साहन	जनगणना कार्य निदेशालय, शिमला

निबन्ध प्रतियोगिता
आयोजक : चीफ पोस्ट मास्टर जनरल, शिमला

क्र.सं.	प्रतिभागी का नाम सर्वश्री / सुश्री	स्थान	कार्यालय का नाम
1.	सुश्री नीता शर्मा	प्रथम	चीफ पोस्ट मास्टर जनरल, शिमला
2.	श्री हरिवंश गलाना	द्वितीय	चीफ पोस्ट मास्टर जनरल, शिमला
3.	श्री लीला दत	तृतीय	केंद्रीय विद्यालय, जतोग, शिमला
4.	श्री हमेन्द्र कुमार शर्मा	तृतीय	चीफ पोस्ट मास्टर जनरल, शिमला
5.	श्री वेद प्रभा मेहता	प्रोत्साहन	जवाहर नवोदय विद्यालय, ठियोग, शिमला
6.	श्री राजेन्द्र कुमार तिवारी	प्रोत्साहन	दीपक परियोजना, लेखा कार्यालय, शिमला

कविता पाठ प्रतियोगिता
आयोजक : दूरदर्शन केंद्र, शिमला

क्र.सं.	प्रतिभागी का नाम सर्वश्री / सुश्री	स्थान	कार्यालय का नाम
1.	श्री प्रशांत कुमार	प्रथम	प्रधान महालेखाकार (ऑडिट) शिमला
2.	श्री गुप्तेश्वर नाथ उपाध्याय	द्वितीय	तिब्बतन स्कूल, शिमला
3.	सुश्री प्रिया मित्तल	तृतीय	दीपक परियोजना, (लेखा कार्यालय) शिमला
4.	सुश्री नीलू शर्मा	तृतीय	केंद्रीय विद्यालय, जतोग
5.	सुश्री यामिनी	प्रोत्साहन	दूरदर्शन केन्द्र शिमला,
6.	सुश्री नलिनी	प्रोत्साहन	दूरदर्शन केन्द्र शिमला,
7.	श्री राकेश कुमार सिंह	प्रोत्साहन	भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला

शब्द ज्ञान/ अनुवाद प्रतियोगिता
आयोजक : भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला

क्र.सं.	प्रतिभागी का नाम सर्वश्री / सुश्री	स्थान	कार्यालय का नाम
1.	श्री राजीव कुमार गर्ग	प्रथम	लेखा कार्यालय दीपक परियोजना
2.	श्री हरीश जोशी	द्वितीय	रा.प्र.स.का. (क्षे. सं. प्र.)
3.	श्री कुमार विशाल बाजीवान	द्वितीय	श्रम ब्यूरो, शिमला
4.	श्री कमल किशोर शर्मा	तृतीय	भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
5.	श्री अनिल शर्मा	प्रोत्साहन	कर्मचारी भविष्य निधि संगठन
6.	श्री अजय सैणी	प्रोत्साहन	श्रम ब्यूरो, शिमला

कम्प्यूटर पर हिन्दी टाइप प्रतियोगिता
आयोजक : राष्ट्रीय लेखा तथा लेखापरीक्षा अकादमी, शिमला

क्र.सं.	प्रतिभागी का नाम सर्वश्री / सुश्री	स्थान	कार्यालय का नाम
1.	श्री रोहित कुमार	प्रथम	हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान
2.	श्री अनिल शर्मा	द्वितीय	कर्मचारी भविष्य निधि संगठन
3.	श्री शक्ति चंद	तृतीय	राष्ट्रीय लेखा तथा लेखा परीक्षा अकादमी
4.	श्री भगत राम	प्रोत्साहन	राष्ट्रीय लेखा तथा लेखा परीक्षा अकादमी

नराकास शिमला द्वारा आयोजित स्लोगन लेखन प्रतियोगिता के

कुछ स्लोगन

अपर्णा रे,
केन्द्रीय विद्यालय, जतोग

हो आजादी सार्थक तभी
जब राजभाषा अपनाएं सभी,
न हो राजभाषा का अपमान
करें आजादी का सभी सम्मान।

भ्रूण हत्या है अविकल संहार
न करें, ऐसा प्रहार
आने तो दें उसे एक बार
देखें कैसा है ये उपहार

देश की प्रतिभा, विदेश की गरिमा
ये प्रतिभा की कैसी महिमा
क्यूं न बन पाएं देश का गौरव
क्यूं न बन पाएं माटी का सौरभ

स्वच्छता हो हम सब की अभिलाषा
स्वच्छता हो हम सब की परिभाषा

तरविंदर कोछड़
केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान

हिन्दी भाषी हम कहलाते, हिन्दी है राजभाषा
समग्र भारत हिन्दीमय हो, बन्ध न सकी यह आशा
संस्कृत जैसी जननी इसकी, खड़ी, अवधी, बृज बहनें
कमी कौन सी इस भाषा में, जो लगी है यह ढहने

कूड़ा करकट न फैलायें
स्वच्छता को हम अपनायें।

देवराज
केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान

आजादी के 68 वर्ष भारत के हो गये
राजभाषा को छोड़ कर सब अंग्रेजी में खो गये

नीलू शर्मा
केन्द्रीय विद्यालय, जतोग

जन–जन की भाषा को प्रयोग में लाना है।
सरकारी कार्यों को सहज सुगम बनाना है।

अनुपमा गुलेरिया

विद्यार्थी से लेकर सरकारी कर्मचारी तक,
सब की है ये मौलिक जिम्मेदारी।
राजभाषा ही प्राथमिकता हो हमारी।

प्रवेश जस्सल

है कितना आराम तब से
हुआ हिन्दी में काम जब से

विनोद कुमार

रहे स्वच्छता स्वच्छ रहेंगे हम।
नहीं रहेगा बीमारियों का गम।

तिलक राज

न भागो गांव छोड़कर, न भागो भारत छोड़कर
अपनी प्रतिभा को यहीं रखो भारत मां के चरणों पर।

भारत देश हमारा, दो स्वच्छता का नारा।
करो लोगों की जिंदगी से, गंदगियों का छुटकारा।

आँसू

विजयलक्ष्मी ठाकुर, सहायक लेखा अधिकारी
महालेखाकार कार्यालय, शिमला

पल–पल बदलती ज़िन्दगी
इस पल खुशी
दूसरे ही पल आँसुओं
में तबदील होती ज़िंन्दगी।

क्यूं इस खुशी और आँसुओं
की वजह ही कोई अपना होता है
अपनों का साथ खुशी
अपनों से बिछुड़ना आँसू।

इन आँसुओं को तो बहना ही है
खुशी में मोती की तरह
गम में एकमात्र साथी
हमेशा साथ देते हैं ये आँसू।

जब जुबान खामोश हो जाती है
लफ्ज़ कमजोर पड़ जाते हैं
तो यही आँसू एहसास दिलाते हैं
दिल की जुबान हैं ये आँसू।

कभी खुशी के पल याद करके
बहते रहते हैं निरंतर
शायद किसी अपने के
खोने के दर्द को बयां करना
कभी इतना सहज नहीं होता
यह आँसुओं की जुबान
सब कह जाती है खामोशी से।

कभी मिलन के आँसू
कभी जुदाई के आँसू
कभी प्रेम तो कभी विरह
हर अहसास को सहजता
से बयां करते आँसू।

अपना एक सहारा सा
महसूस होते हैं यही आँसू
बहुत कुछ कह जाते हैं
बहुत कुछ समझा जाते हैं
ये आँसू।

रूह की खेती लहलहा रही है

डॉ. राजेश्वरी गौतम, हिंदी अनुभाग
चीफ पोस्टमास्टर जनरल कार्यालय, हि.प्र. परिमंडल, शिमला

यह कैसी भोर हुई है आज,
सांझ की स्मृति ही नहीं रही।
लगता है,कभी सांझ होगी ही नहीं,
इस भोर की....स्वयं में एक अपवाद ।
कैसी विचित्र सुखद अनुभूति है यह !

सोचती हूं, मैंने तो सारी खिड़कियां, दरवाज़े,
बंद कर रखे थे सदियों से.....,
पर्दे भी खासे मोटे थे...सब ओर से महफूज।
फिर यह कैसा झोंका आया सहसा,
सुवासित सा,धीरे–धीरे दबे पांव,खोल गया
मेरी खिड़कियां–दरवाजे,बिना पूछे,
सब पर्दे इधर–उधर हो गये,
और.....समा गया वह प्यारा हवा का झोंका
सीधे मेरी रुह में।

और अब,मेरी रुह निर्लेप नहीं रही,
प्रकाशित हो गयी है, हरी–भरी हो गयी है,
अजब सी प्रसन्नता घेरे रहती है,
मेरे धीर गंभीर ह्रदय को.....,
सर्वत्र आनंद–आनंद–परमानंद !

रंग–बिरंगी भावनाओं के फूल खिल रहे हैं,
मेरी सूखी पड़ी रुह में,
सुवासित हो रही हूं मैं,
अजब ऊथल पुथल कर गया,
वह हवा का झोंका .....।

मैं समझ नहीं पाती हूं,जान नहीं पाती हूं,
यह क्या हो गया है मुझे,
पिघलती जा रही हूं मैं,
सारे प्रतिबंध बगावत सी कर रहे हैं,
सांस लेना चाहती है मेरी आत्मा खुले आकाश में।

हैरान हूं मैं, कभी सोचा नहीं था,
निर्लिप्त कही जाने वाली आत्मा,
इतनी ऊर्वर,इतनी हरी– भरी हो सकती है,
इतनी प्यासी थी यह जन्म–जन्म से।
एकाएक सप्राण होकर लहलहा उठी है मेरी आत्मा।

अब मैं इसे बंजर नहीं होने दूंगी .....
मेरी आत्मा की खेती को जीवन दे दिया है ,
इस प्यारे से हवा के झोंके ने।

भीनी–भीनी खुशबू फैल गयी है मेरे अंतर्मन में,
हवा का यह झोंका अनूठा है, हवा की तरह स्वछंद नहीं,
चिरस्थायी है यह, इसे भी तलाश थी युगों से,
मेरे भीतर सोयी पड़ी चमेली की महक की,
कभी न ढ़लने वाली भोर हो गयी है,
सब उज़ला–उज़ला सा है,कभी न मिटने वाला,
सच है,यह भोर अनंत है, अनंत है, अनंत है !!!

क्षणिकाएं

रविन्द्र भण्डारी, निजी सहायक
निदेशक, डाक सेवाएं, हिमाचल प्रदेश

नसीब के खेल से कभी निराश मत होना
ज़िन्दगी से कभी उदास मत होना
हाथों की लकीरों पर मत करना भरोसा
नसीब तो उनके भी होते हैं, जिनके हाथ नहीं होते।

रख भरोसा कि राह में ही राह होती है
इरादे गर पक्के हों, तो मंजिल पास ही होती है।

न बनना कभी कवि
नहीं तो पछताएगा
ग़र कविता नहीं बिकी

हिंदी किसी एक प्रदेश की भाषा नहीं बल्कि देश में सर्वत्र बोली जाने वाली भाषा है
-विलियम केरी

कागज़ के रिश्ते

दीपक कुमार, वैज्ञानिक अधिकारी
जिला शिमला

सुना था दिलो–धड़कन में बसा करते थे रिश्ते।
कभी प्रेम प्रतीक भी हुआ करते थे सुनहरे रिश्ते।।

अनमिट से कुछ युग–युग के रंग–बिरंगे थे रिश्ते।
रिश्तों पर जीवन टिकता था जीवन से बड़े थे रिश्ते।।

कुछ पलकों पर सजें तो कुछ यादों में सिमटे रिश्ते।
जीवन एक, अनेक रिश्ते, रिश्तों की जान स्वयं रिश्ते।।

आज मगर बे–मतलब क्यों मजहब पर हम डटे हुए।
चंद काग़ज़ के टुकड़ों पर क्यों रिश्ते निर्दोष हैं बंटे हुए।।

गंगा बहती सरहद पर खूनों की, क्या धूम मची है गश्तों की।
न जाने कब इन नदियों में अब नाव चलेगी रिश्तों की।।

कीमत नहीं मानवता की जो रिश्ते आज बेमोल हुए।
बे–परवाह इस दुनिया में कुछ रिश्ते आज मखौल हुए।।

रिश्ते भी झूठे लगने लगे बस धन दौलत की चाह जहां।
सपने काग़ज पर बिकते हैं अब काग़ज ही अनमोल हुए।।

आँखों से अश्क निकलते हैं अब क्या करना है जन्नत में।
जब माँ को भी बांट दिया इन्सानों के इस मजहब ने।।

सुना था दिलो–धड़कन में बसा करते थे रिश्ते।
कभी प्रेम प्रतीक भी हुआ करते थे सुनहरे रिश्ते।।

हिंदी हमारे राष्ट्र की अभिव्यक्ति का सरलतम स्रोत है
-सुमित्रानंदन पंत